वाद-पत्र मु. नं. 185 वर्ष 2022

आज्ञा-पत्र

16/8/22 पक्षकार उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वादेशानुसार दिनांक 16/8/22 को पेश हो।

20/8/22 पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वादेशानुसार दिनांक 21/8/22 को पेश हो।

22/8/22 पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वादेशानुसार दिनांक 22/8/22 को पेश हो। विभाजन प्रस्ताव प्राप्त।

पत्रावली पेश। अधि. उभयपक्ष हाजिर। प्रकरण में अधि. उभयपक्ष ने विभाजन प्रस्ताव अनुसार अंतिम डिक्री पारित करने का अनुरोध किया है। पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत रजीनामा तथा विभाजन प्रस्ताव के अनुसार अंतिम डिक्री पारित की जाती है। विभाजन प्रस्ताव व रजीनामा अंतिम डिक्री का भाग रहेगा। पत्रावली कौतुक शुमार होकर नम्बर से कम हो। दाखिल दफ्तर हो। निर्णय आज मेरे द्वारा लिखाया गया।

उपखण्ड अधिकारी, सीकर